बुद्धिमान सेवक का दृष्टान्त

भण्डारीपन के दृष्टान्त (भाग–1)

रविवार का संदेश, 05 जुलाई 2026

हम चार भागों की संदेश-श्रृंखला "भण्डारीपन के दृष्टान्त" (Stewardship Parables) का आरम्भ कर रहे हैं, जिसमें हम उन चार दृष्टान्तों और उदाहरणों का अध्ययन करेंगे जिन्हें प्रभु यीशु ने भण्डारीपन के विषय में शिक्षा देने के लिए प्रस्तुत किया।

इस श्रृंखला के प्रथम संदेश में हम "बुद्धिमान सेवक" के दृष्टान्त का अध्ययन करते हैं। प्रभु यीशु ने पहले अपने शिष्यों को अपनी पुनः आगमन के लिए तैयार रहने की शिक्षा दी (लूका 12:35-40), और उसके बाद वे इस विषय पर बोलते हैं कि जब तक वह लौटकर न आएँ, तब तक उनके अनुयायी कैसे अच्छे भण्डारी बनकर जीवन बिताएँ।

लूका 12:41-48

41 तब पतरस ने उससे कहा, "हे प्रभु, क्या तू यह दृष्टान्त केवल हमसे कहता है या सब लोगों से भी?"
42 प्रभु ने कहा, "वह विश्वासयोग्य और बुद्धिमान भण्डारी कौन है, जिसे उसका स्वामी अपने परिवार पर नियुक्त करे, ताकि समय पर उन्हें भोजन का भाग देता रहे?
43 धन्य है वह दास, जिसे उसका स्वामी आकर ऐसा ही करते हुए पाए।
44 मैं तुमसे सच कहता हूँ कि वह उसे अपनी सारी संपत्ति पर अधिकारी ठहराएगा।
45 पर यदि वह दास अपने मन में कहे, 'मेरा स्वामी आने में देर कर रहा है,' और दास-दासियों को मारने-पीटने लगे, तथा खाने-पीने और मतवाला होने लगे,
46 तो उस दास का स्वामी ऐसे दिन आएगा जब वह उसकी प्रतीक्षा नहीं कर रहा होगा और ऐसे समय जब वह नहीं जानता होगा। तब वह उसे कठोर दण्ड देगा और उसका भाग अविश्वासियों के साथ ठहराएगा।
47 वह दास जिसने अपने स्वामी की इच्छा जान ली, परन्तु न तो अपने को तैयार किया और न उसकी इच्छा के अनुसार कार्य किया, वह बहुत मार खाएगा।
48 परन्तु जिसने इच्छा न जानकर भी दण्ड के योग्य काम किए, वह थोड़ी मार खाएगा। क्योंकि जिसे बहुत दिया गया है, उससे बहुत माँगा जाएगा; और जिसे बहुत सौंपा गया है, उससे और भी अधिक लिया जाएगा।

भण्डारी

भण्डारी (यूनानी: Oikonomos) = घर या सम्पत्ति का प्रबन्धक, अधिकारी, खजांची।

यह शब्द दो यूनानी शब्दों से मिलकर बना है:

Oikos = घर
Nomos = व्यवस्था / प्रबन्ध

भण्डारीपन (यूनानी: Oikonomia) = घर का प्रबन्ध, प्रशासन।

भण्डारी वह है—

जो प्रबन्धक, निरीक्षक या देखभाल करने वाला हो।
जिसे किसी अन्य व्यक्ति की सम्पत्ति का उत्तरदायित्व सौंपा गया हो।
जिसे ऐसी वस्तुओं का प्रबन्ध करने की जिम्मेदारी दी गई हो जो उसकी अपनी नहीं हैं।
जिसे किसी कार्य या संसाधन का उत्तरदायी बनाकर सौंपा गया हो।

परमेश्वर के राज्य में हम में से प्रत्येक एक भण्डारी है। परमेश्वर अपनी उन वस्तुओं को, जो वास्तव में उसी की हैं, हमारे हाथों में सौंपता है ताकि हम इस पृथ्वी पर उनका उचित प्रबन्ध, संचालन और भण्डारीपन करें। यह परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियाँ होने तथा उसके राज्य का भाग होने के कारण हमारी बुलाहट का एक महत्वपूर्ण भाग है।

बाइबिल के अनुसार एक भण्डारी की पाँच प्रमुख जिम्मेदारियाँ होती हैं:

सब कुछ सुचारु रूप से चलता रहे — अच्छा संगठन, व्यवस्था और अनुशासन बना रहे।
वृद्धि और लाभ सुनिश्चित हो — उन्नति, विकास और गुणन हो।
हर बात का सही लेखा-जोखा रखा जाए — उत्तरदायित्व और हिसाब-किताब बना रहे।
जो कुछ उसकी देखरेख में है उसकी रक्षा करे — उसे सुरक्षित रखे।
कार्य की निरंतरता बनाए रखे — उत्तराधिकारी तैयार करे और आने वाली पीढ़ियों तक कार्य पहुँचाए।
भण्डारीपन अधिकार और उत्तरदायित्व दोनों के साथ आता है

लूका 12:42

"वह विश्वासयोग्य और बुद्धिमान भण्डारी कौन है, जिसे उसका स्वामी अपने परिवार पर नियुक्त करे, ताकि समय पर उन्हें भोजन का भाग देता रहे?"

पद 42 — "अपने परिवार पर नियुक्त करे"

यह उस प्रतिनिधिक अधिकार (Delegated Authority) की ओर संकेत करता है जो स्वामी अपने भण्डारी को उसके कार्यक्षेत्र में प्रदान करता है।

पद 42 — "समय पर उन्हें भोजन का भाग देता रहे"

परन्तु इस अधिकार के साथ दोहरी जिम्मेदारी भी आती है—

लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करना।
उचित समय पर उनकी आवश्यकताओं को पूरा करना।

जिस लोगों की जिम्मेदारी परमेश्वर ने आपको दी है—

उनकी देखभाल करें।
उनकी रक्षा करें।
उनका नेतृत्व करें।
उचित समय पर उनके लिए उचित कार्य करें।
उत्तम भण्डारीपन की तीन प्रमुख विशेषताएँ

विश्वासयोग्य। बुद्धिमान। समर्पित।

लूका 12:42-43

"वह विश्वासयोग्य और बुद्धिमान भण्डारी कौन है..."

"धन्य है वह दास, जिसे उसका स्वामी आकर ऐसा ही करते हुए पाए।"

1. **विश्वासयोग्य**

यूनानी शब्द का अर्थ है—

भरोसेमंद
विश्वसनीय
ऐसा व्यक्ति जिस पर कार्यों के निष्पादन में विश्वास किया जा सके।
जो अपने उत्तरदायित्वों को निष्ठापूर्वक पूरा करता हो।
2. बुद्धिमान

यूनानी शब्द का अर्थ—

व्यवहारिक बुद्धि रखने वाला
विवेकी
समझदार

दूरदर्शी
सोच-समझकर निर्णय लेने वाला
कुशल
3. समर्पित ("ऐसा ही करते हुए पाए")

Easy-to-Read Version

"जब स्वामी लौटकर आए और अपने सेवक को वही कार्य करते हुए पाए जो उसे सौंपा गया था, तो वह दिन उसके लिए आशीष का होगा।"

The Passion Translation

"जब स्वामी लौटकर आएगा और पाएगा कि उसके सेवक ने निष्ठापूर्वक उसकी सेवा की है, तब वह उसे बड़ा प्रतिफल देगा और अपनी सारी सम्पत्ति का प्रबन्धक नियुक्त करेगा।"

उत्तम भण्डारीपन का प्रतिफल

"अपने परिवार पर अधिकारी..." (पद 42)

↓

"अपनी सारी सम्पत्ति पर अधिकारी..." (पद 44)

परमेश्वर उत्तम भण्डारीपन का प्रतिफल अधिक उत्तरदायित्व और अधिक अधिकार देकर देता है।

वह हमें अपनी और अधिक वस्तुओं का भण्डारी बनाता है।

भण्डारीपन के प्रति तीन गलत दृष्टिकोण

लूका 12:45

A. **लापरवाही और उदासीनता**

"मेरा स्वामी आने में देर कर रहा है।"

यह ऐसा दृष्टिकोण है—

"मुझे कोई परवाह नहीं।"

स्थिति जैसी है वैसी ही रहने दो।

कोई सुधार नहीं।

धीरे-धीरे सब कुछ बिगड़ने दो।

B. **अधिकार का दुरुपयोग**

"दास-दासियों को मारने-पीटने लगा।"

यह परमेश्वर द्वारा दिए गए अधिकार का गलत उपयोग है, जिससे दूसरे लोग आहत होते हैं।

C. **आत्म-भोग**

"खाने-पीने और मतवाला होने लगा।"

स्वयं को ही केन्द्र बना लेना।

स्वार्थी जीवन।

अपनी इच्छाओं की पूर्ति करना।

खराब भण्डारीपन का परिणाम अत्यन्त गंभीर है।

उत्तम भण्डारीपन का अर्थ है स्वामी की इच्छा को जानना, उसके लिए तैयार होना और उसे पूरा करना

लूका 12:47

1. **स्वामी की इच्छा जानो**

समझो कि परमेश्वर तुमसे क्या चाहता है।

जो उसने तुम्हें सौंपा है, उसी पर ध्यान दो।

दूसरों को जो सौंपा गया है उसकी लालसा मत करो।

2. **अपने आपको तैयार करो**

अपने आपको प्रशिक्षित करो।

सीखो।

योग्यता विकसित करो।

अनुशासन में बढ़ो।

परमेश्वर हमें केवल वही कार्य नहीं सौंपता जो सरल हों।

वह हमें ऐसे कार्य भी सौंपता है जिनके लिए हमें स्वयं को तैयार करना पड़ता है।

3. **उसकी इच्छा पूरी करो**

केवल जानना पर्याप्त नहीं।

केवल तैयारी भी पर्याप्त नहीं।

कार्य पूरा करो।

डटे रहो।

विश्वासयोग्य बने रहो।

परमेश्वर के राज्य का भण्डारीपन का सिद्धांत
"जिसे बहुत दिया गया है, उससे बहुत माँगा जाएगा।"

लूका 12:48

परमेश्वर जितना अधिक हमें सौंपता है, उतना ही अधिक उत्तरदायित्व भी अपेक्षित करता है।

अधिक वरदान।

अधिक अनुग्रह।

अधिक प्रभाव।

↓

अधिक अनुशासन।

अधिक उत्कृष्टता।

अधिक उत्तरदायित्व।

हमें इन सभी क्षेत्रों में बढ़ना होगा—

व्यवस्था
वृद्धि
उत्तरदायित्व
सुरक्षा
अगली पीढ़ी तैयार करना
परमेश्वर के राज्य में भण्डारीपन

हम सभी परमेश्वर के राज्य में भण्डारी हैं।

A. **परमेश्वर के वरदानों के भण्डारी**
1 पतरस 4:10

"जिसे जो वरदान मिला है, वह उसी से एक-दूसरे की सेवा करे, जैसे परमेश्वर के नाना प्रकार के अनुग्रह के अच्छे भण्डारी।"

परमेश्वर ने प्रत्येक व्यक्ति को विशेष वरदान दिए हैं।

हमें उनका विश्वासयोग्य भण्डारी बनना है।

B. **परमेश्वर के अनुग्रह के भण्डारी**
इफिसियों 3:1-2

"यदि तुमने परमेश्वर के उस अनुग्रह के प्रबन्ध के विषय में सुना है, जो तुम्हारे लिए मुझे दिया गया।"

परमेश्वर प्रत्येक बुलाहट के साथ आवश्यक अनुग्रह भी देता है।

हमें उस अनुग्रह का उचित उपयोग करना है।

C. **परमेश्वर के भेदों (रहस्यों) के भण्डारी**
1 कुरिन्थियों 4:1-2

"लोग हमें मसीह के सेवक और परमेश्वर के भेदों के भण्डारी समझें... और भण्डारियों में यही आवश्यक है कि वे विश्वासयोग्य पाए जाएँ।"

हम परमेश्वर के वचन, उसके सत्य, उसके प्रकाशन और उसके अभिषेक के भण्डारी हैं।

हमें इन आत्मिक धरोहरों को—

आदर के साथ संभालना है।
उनकी रक्षा करनी है।
उन्हें बढ़ाना है।
और आने वाली पीढ़ियों तक विश्वासयोग्य रूप से पहुँचाना है।